कौशल परीक्षण निर्माण के चरण (Steps)

1. शारीरिक क्षमता या खेल का विश्लेषण करें — ताकि कौशल या गामक क्षमता कारकों का निर्धारण हो सके। जिन से खेल या क्षमता बने हों या खेल या क्षमता का मापन करते हैं।
कारकों की मात्र सूचि बनाना ही पर्याप्त नहीं है। उनके महत्व का निर्धारण भी किया जाना आवश्यक है।

2. वांछित गुणों के मापन हेतु परीक्षणों मदों को चयन:— अति महत्वपूर्ण प्रक्रिया है — यह चयन, परीक्षण के महत्व तथा उसके सार्थकता से मापदण्डों पर निर्भर है।
चयन पूर्व निर्धारित परीक्षणों से किया जा सकता है

(ii) विशेषज्ञों के पैनल (jury of Experts) से कराया जा सकता है।

(iii) निष्पादन क्षमता के विश्लेषण कर वास्तविक खेल की संरचना के आधार पर किया जा सकता है — अच्छी मार्ग कौशल को तथा स्कोर किया

जासकता को महत्व दिया जाता है)

(ए) परीक्षण आइटम - वांछित क्षमता / कौशल को इतर कौशल / क्षमता से अलग करके मापन की क्षमता रखता है।

3. परीक्षण आइटम के संचालन तथा आंकन (scoring) की expect प्रक्रिया का निर्धारण : - परीक्षण के संचालन ~~प्राक~~ हेतु एवं आंकन हेतु स्पष्ट दिशानिर्देश बनाये जाते हैं दिशा निर्देशों की स्पष्टता clarity तथा सरलता Simplicity परीक्षण की विश्वसनीयता तथा वस्तुनिष्ठता को प्रभावित करते हैं (बढ़ाते हैं)

4. विश्वसनीयता का निर्धारण : परीक्षण - पुनः परीक्षण या स्प्लिट-हाफ्स विधि से किया जासकता है निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाता है।

(i) ~~परीक्षण किये~~ विश्वसनीयता निर्धारण हेतु उपयोग में लिये जाने वाले स्कोरर उसी समूह के हो जिस के लिये परीक्षण का निर्माण किया जारहा है।

(ii) परीक्षण से पूर्व प्रत्येक आइटम का टेस्ट समझ आना चाहिये तथा अधिगम के अभ्यास को अवसर दिया जाना चाहिये।

(iii) ~~प्रत्येक~~

(iii) प्रत्येक परीक्षण व्यक्तिगत अंक बहुत ही न्यूनतम का औसत अंक हो / उच्चतम अंक हो का निर्धारण किया जाना चाहिये। शीर्ष व्यक्ति का औसत अंक ज्यादा विश्वसनीय है।

iv परीक्षण / आइटम का विश्वसनीयता गुणांक / Reliability Coefficient कम से कम .70 हो तभी स्वीकार्य है। ज्यादातर परीक्षण का .85 होना चाहिये।

5. प्रत्येक परीक्षण / आइटम की वस्तुनिष्ठता का निर्धारण :— दो योग्य परीक्षकों द्वारा परीक्षण पर प्राप्त अंकों का सहसम्बन्ध। ~~उच्च~~ ~~उच्च~~

6. वैधता का निर्धारण :- कई विधियों द्वारा किया जा सकता है।

(i) नवनिर्मित परीक्षण तथा पूर्व में स्थापित उसी कौशल / दक्षता को मापने वाले परीक्षण पर प्राप्त आंकड़ों के मध्य सहसम्बन्ध ज्ञात करके। यदि उच्च सहसम्बन्ध प्राप्त होता है तो कह सकते हैं कि नवनिर्मित परीक्षण भी उसी क्षमता / कौशल को मापता है जिसे पहला परीक्षण मापता है।

(ii) परीक्षण पर प्राप्त अंकों तथा वास्तविक प्रतियोगिता के परिणाम के मध्य सहसम्बन्ध है

एकल खेल टेबिल टेनिस/बैडमिंटन/कुश्ती के परीक्षण की वैधता निर्धारण, नामित परीक्षण पर प्राप्त अंकों तथा उन्हीं खिलाड़ियों के मध्य आयोजित लीग प्रतियो० के परिणामों के मध्य सहसम्बन्ध की गणना कर किया जा सकता है

यदि सहसम्बन्ध गुणांक उच्च है तो परीक्षण उस खेल विधि की योग्यता को मापता है।

(iii) जजों द्वारा दिये गये अंकों का औसत :-

दो या तीन जजों द्वारा खेलों में प्रत्येक खिलाड़ी की समस्त खेल क्षमता का निर्धारण विशेषज्ञों से प्राप्त अंकों का औसत (judges rating) तथा परीक्षण पर प्राप्त अंकों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक की गणना कर। किसी गुण/कौशल विशेष पर विशेषज्ञों के अंक प्राप्त किये जाते हैं जिससे उस कौशल हेतु निर्मित परीक्षण/आइटम पर खिलाड़ी के प्रदर्शन से अंक प्राप्त किये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

(IV) मास क्षमताओं के खिलाड़ियों के मध्य तुलना करके।

खिलाड़ियों को मात क्षमताओं के समूह में बांटा जाता है। जिन की कौशल विशेष में क्षमता अलग-2 है (Poor, good, Excellent)

(National - State - Dist level players)

खिलाड़ियों पर परीक्षण संचालित किया जाता है। समूह के परीक्षण पर प्राप्त अंकों में अंतर की गणना की जाती है। क्षमताओं के अनुरूप अंकों में अंतर जितना अधिक है। जितना अंतर उतना अधिक Discrimination ability of Test

(V) कॉम्पोजिट स्कोर

संयुक्त (समग्र) अंक :- पूरी बैटरी के सभी परीक्षणों के अंकों का उपयोग। जिसे ग्रामक क्षमता के मानक का प्रतिनिधित्व का अंक माना जाता है। सामान्य शारीरिक क्षमता physical Fitness, Specific physical fitness tests की वैधता को निर्धारित हेतु उपयोग किया जाता है।

सभी परीक्षणों पर प्राप्त स्कोर मानक स्कोर z-score में बदल कर जोड़ दिये जाते हैं।
फिर प्रत्येक परीक्षण के अंको का कम्पोजिट स्कोर से सहसम्बन्ध ज्ञात करते हैं। बहुसहसम्बन्ध का उपयोग परीक्षण बैटरी के निर्माण हेतु किया जाता है

(7) उपर्युक्त प्रक्रिया के परिणामों के आधार पर परीक्षण का संशोधन करें

(8) मानकों (नार्मस) का निर्माण करें।

प्रत्येक परीक्षण आइटम के नार्मस का निर्माण करें तथा पूर्ण परीक्षण बैटरी के संयुक्त नार्मस भी बनायें।

Scanned with CamScanner